भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2064

उत्तर देने की तारीख: 31.07.2025

जनजातीय युवाओं के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार योजना

2064. श्री राम शिरोमणि वर्मा:

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने श्रावस्ती और बलरामपुर जैसे आकांक्षी जिलों में रहने वाले थारू आदिवासी युवाओं को स्वरोजगार और कौशल विकास के लिए किसी विशिष्ट योजना के अंतर्गत शामिल किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन जिलों में 'वन धन योजना', 'ट्राइफेड' और 'वन धन केंद्र' जैसे कार्यक्रम कार्यान्वित किए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत कितने युवाओं को प्रशिक्षण/वित्तीय सहायता प्रदान की गई है;

(घ) क्या इन कार्यक्रमों के अंतर्गत जनजातीय उत्पादों के विपणन या बाजार संपर्क स्थापित करने के लिए कोई तंत्र मौजूद है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो क्या भविष्य में ऐसी पहलों को शामिल करने के लिए इन कार्यक्रमों के अंतर्गत दायरे का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ग) जनजातीय कार्य मंत्रालय जनजातीय आबादी में आजीविका के अवसरों और उद्यमिता को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) के माध्यम से प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) योजना को क्रियान्वित करता है। अब तक, ट्राइफेड ने देश भर में 12,37,282 सदस्यों को जोड़ते हुए 4105 वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) स्वीकृत किए हैं। उत्तर प्रदेश में, 7328 लाभार्थियों को कवर करते हुए 25 वन धन विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं।

(घ) और (ङ) पीएमजेवीएम के तहत ट्राइफेड जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर सृजित करने के लिए जनजातीय कारीगरों का पैनल तैयार करता है, उनसे विभिन्न जनजातीय उत्पादों की खरीद करता है और प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के प्रसंस्करण की सुविधा के लिए टूलकिट, मशीनरी और प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे जनजातीय कारीगरों के लिए पश्च (बैकवर्ड) संपर्क मजबूत होते हैं। यह अपने ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेज़न, ओएनडीसी, फ्लिपकार्ट आदि और आदि महोत्सव, आदि बाजार आदि प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय उत्पादों का खुदरा विपणन करता है, जिससे खुले बाजार से अग्रवर्ती (फॉरवर्ड) संपर्क स्थापित होता है। इन गतिविधियों के अंतर्गत, ट्राइफेड ने बलरामपुर जिले में थारू जनजाति से संबंधित 01 आपूर्तिकर्ता को नियुक्त किया है, जो जनजातीय उत्पादों की आपूर्ति के लिए 10 परिवारों से जुड़ा है।

*****